विषय प्रवेश B.A.-III - P.-VII

INTRODUCTION

पिछले कक्षा में विभिन्न वैज्ञानिकों के द्वारा किये गये अध्ययनों से जो तथ्य सामने आये- उसका अध्ययन कर रहे थे और अब आगे :

(vi) विशिष्ट उपकरण (Specific tools) :- अनुसंधान या शोध-प्रक्रिया को संचालित करने के लिए कुछ विशेष उपकरणों की आवश्यकता होती है। मनोवैज्ञानिक शोध के लिए भी कई प्रकार के उपकरणों का व्यवहार किया जाता है। उपकरणों के अन्तर्गत कई प्रकार की प्रविधियों (techniques) तथा परीक्षणों (tests) की गणना की जाती है।

(vii) वैज्ञानिक अभिकल्प (Scientific design) :- वैज्ञानिक शोध में अनुकूल अभिकल्पों का व्यवहार किया जाता है। इसका अर्थ हुआ कि शोधकर्ता या अनुसंधानकर्ता अपने शोध के उद्देश्य के अनुकूल एक योजना या स्कीम बनाता है कि अनुसंधान कैसे किया जायेगा, प्रदत्त संग्रह के लिए किन-किन उपकरणों तथा परीक्षणों का उपयोग किया जायेगा, प्रदत्त का निरूपण कैसे किया जायेगा, इत्यादि।

(viii) वस्तुनिष्ठता (objectivity) :- वैज्ञानिक शोध में वस्तुनिष्ठता की विशेषता पायी जाती है, वस्तुनिष्ठ अध्ययन का अर्थ वह अध्ययन है, जिसमें शोधकर्ता किसी समस्या, या विषय-वस्तु का अध्ययन पक्षपात (bias), पूर्वधारणा

पूर्वाग्रह (Prejudice), रूढ़िधारणा (Stereotype), आदि व्यक्तिगत कारकों से प्रभावित हुए बिना ही करती है।

(ix) परिमाणन (Quantification) :— वैज्ञानिक अनुसंधान या शोध में परिमाणन की विशेषता भी पायी जाती है। यह विशेषता यथासंभव मनोवैज्ञानिक शोधों में भी पाई जाती है। इसका अर्थ इतना कि जहाँ तक संभव होता है, मनोवैज्ञानिक शोधों में प्राप्तांकों के विश्लेषण में सांख्यिकी विधियों का व्यवहार किया जाता है।

(x) प्रतिकृति (Replication) :— साधारण अर्थ में पुनरावृत्ति (Repetition) को ही प्रतिकृति कहते हैं। शोधकर्ता अपने शोध या अध्ययन के आधार पर जो परिणाम या ज्ञान प्राप्त करता है उसकी सत्यता की जाँच के लिए वह अपने ~~परिणामों~~ शोध या अध्ययन को बार-बार दुहराता है। यदि वह हर बार एक ही तरह का परिणाम प्राप्त करता है तो समझा जाता है कि शोध विश्वसनीय है और यदि परिणाम में स्थिरता का अभाव है तो पुनर्विलोकन की आवश्यकता होती है।

(xi) सत्यापन (Verification) :— सत्यापन किसी भी अनुसंधान या शोध के लिए आवश्यक गुण है। इसका अर्थ यह है कि एक अनुसंधान-कर्ता के द्वारा जो परिणाम प्राप्त होते हैं, उसकी

Scanned with CamScanner

जांच दूसरा अनुसंधानकर्ता अपने अध्ययन के आधार पर करता है।

(xii) व्यावहारिकता (Practicability) :- वैज्ञानिक शोध या अनुसंधान में व्यावहारिकता का गुण होना अपेक्षित है। इसका अर्थ यह है कि वह शोध या अनुसंधान सैद्धांतिक अथवा व्यवहारिक रूप से उपयोगी तथा लाभप्रद हो। इस दृष्टिकोण से शोध या अनुसंधान दो प्रकार के हैं, जिन्हें शुद्ध शोध या व्यावहारिक शोध कहते हैं।

(xiii) मितव्ययिता (Parsimony) :- वैज्ञानिक शोध ~~मितव्ययित~~ मितव्ययी होता है। इसका मतलब है कि किसी प्राकृतिक घटना की व्याख्या यथासंभव सरल तरीका से की जाए। जिस शोध में कम समय लगता है तथा कम श्रम करना पड़ता है उसे मितव्ययी शोध कहा जाता है।

इससे स्पष्ट होता है कि वैज्ञानिक शोध की कई विशेषताएँ हैं जो बहुत अंशों में मनोवैज्ञानिक शोध या सामाजिक शोध में भी पाई जाती हैं।

Next day

Hrishi Kesh Lal.
Deptt - Psychology.
B.M.C. Rahika.